आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–06 अक्टूबर 2024 सान्ध्य समाचार

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला आज दोपहर में मथुरा के वृंदावन स्थित वात्सल्य ग्राम पहुंचे। उन्होंने साध्वी ऋतंभरा की देखरेख में आयोजित दो दिवसीय नेत्र शल्य चिकित्सा सेवा शिविर के लाभार्थियों को चश्मे और दवाईयां वितरित कीं। शिविर के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वात्सल्य ग्राम जैसा प्रेम और वात्सल्य पूरे समाज को मिलते रहना चाहिए।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर महाकुंभ को आध्यात्मिकता और आधुनिकता के साथ ही राष्ट्रीय एकता, भारतीय दर्शन और समस्त सृजन शक्तियों का अद्भभुत संगम बनाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने यह प्रतिबद्धता जताई।

मुख्यमंत्री ने आज प्रयागराज पहुंच कर महाकुंभ दो हजार पचीस की तैयारियों को देखा और अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कुंभ से संबंधित प्रतीक चिन्ह, वेबसाइट और ऐप की लांचिंग भी की। उन्होंने विशेष बोट से संगम का निरीक्षण किया, घाटों की स्थिति देखी और विभिन्न कार्यों का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने मां गंगा और बड़े हनुमान जी की पूजा अर्चना भी की। इस यात्रा संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महाकुंभ के दिव्य भव्य, अद्वितीय और अविस्मरणीय आयोजन के लिए प्रदेश सरकार पूरी उर्जा के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के साधु संतों के साथ बैठक भी की।

****

मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत शारदीय नवरात्र की सप्तमी और अष्टमी तिथि को प्रदेश सरकार शक्तिपीठों पर शक्ति महोत्सव कराएगी। इनमें देवीपाटन स्थित मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ, विंन्ध्याचल स्थित मां विन्ध्यवासिनी शक्तिपाठी, अयोध्या स्थित बड़ी देवकाली मंदिर, वाराणसी स्थित दुर्गा मंदिर, गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ, चित्रकूट स्थित रामगिरि शक्तिपीठ और जौनपुर स्थित शीतला चौकियाधाम समेत प्रदेश के सोलह शक्तिपीठ शामिल हैं। इस महोत्सव से संबंधित आयोजनों में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को जोड़ते हुए महिला कलाकारों को वरीयता दी जाएगी। इनमें नौ देवियों पर आधारित झांकीमय प्रस्तुतियां और महिला सशक्तिकरण पर आधारित नुक्कड़ नाटकों समेत विभिन्न आध्यात्मिक प्रस्तुतियां होंगी।

****

प्रदेश के बहराइच जिले में कल रात छह भेड़ियों के झुंड में से आखिरी भेड़िये को तमाचपुर गांव में ग्रामीणों ने पीट–पीटकर मार डाला। वन विभाग की टीम ने भेड़िये के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमर्टम के लिए भेज दिया है।

पिछले कुछ महीनों से, छह भेड़ियों के इस झुंड ने जिले की महसी तहसील के कई गांवों में उत्पात मचा रखा था। इससे पहले, वन विभाग ने तहसील के अंतर्गत पच्चीस से तीस गांवों में हाल ही में हुए हमलों के लिए जिम्मेदार भेड़ियों के झुंड को पकड़ने के लिए **ऑपरेशन भेड़िया** शुरू किया था । विभाग ने दस सितंबर को पांचवें भेड़िये को भी पकड़ लिया था।

****

प्रदेश सरकार की तरफ से अगले माह सभी जिलों में करियर मेलों के आयोजन किये जाएंगे। प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी ने कल लखनऊ में बताया कि यह मेले युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर होंगे। इनकी मदद से अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने में मदद मिलेगी। इनसे शैक्षणिक संस्थान, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, निजी और सरकारी क्षेत्र के प्रतिष्ठित नियोक्ता हिस्सा लेंगे।

****

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कुशीनगर जिले के हाटा में न्यू इंडिया चीनी मिल ने इक्यावन टीबी रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली दिया है। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी और मिल के प्रबंधक करन सिंह ने उपस्थित लोगों को निक्षय मित्र बन कर टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित किया।

****

आज विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस सेरेब्रल पाल्सी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे पीड़ित प्रतिभाओं के प्रति सम्मान पैदा करने के प्रयोजन से आयोजित किया जाता है। सेरेब्रल पाल्सी मस्तिष्क में क्षति से पैदा होने वाली समस्या है। यह क्षति जन्म से पहले, प्रसव के दौरान या जन्म के बाद लगभग तीन वर्ष तक हो सकती है। हांलाकि इस बीमारी के साथ भी सामान्य जीवन जी सकते हैं । सेरेब्रल पाल्सी पीड़ित मेरठ जिले के दो जुड़वा भाई आयुष और पीयूष भी समाज में मिसाल पेश कर रहे हैं। विश्व दिव्यांगता दिवस पर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित हो चुके यह दोनों युवक पर्यावरण और स्वच्छता क्लब बना कर पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए जाने जाते हैं।

****

शारदीय नवरात्र के चौथे दिन आज मां दुर्गा के कुष्मांडा स्वरूप की पूजा अर्चना की जा रही है। मिर्जापुर जिले के विंध्यांचल, कालीखोह और अष्टभुजा देवी धाम से जुड़े त्रिकोण पथ पर आज दिन भर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भक्तों ने इन शक्तिपीठ पर कतारबद्ध होकर माता का दर्शन पूजन किया ।

****